

आज का दिन
इस तारीख को जपन के लोग कभी नहीं भूल पाते। दरअसल जपान 15 जून 1896 का थ्रॉप के बाद जितास की सबसे विनाशकारी सुनामी का सम्मान कर चुका है। सानरिकू तर पर आई इस सुनामी में करीब 22,000 लोगों की मौत हो गई थी। इस सुनामी की लहरें 80 फीट से 125 फीट ऊँची थीं। जब ये तर से टकराएं, तो इनके रास्ते में जो भी आया, वो तबाह हो गया। गांव के गांव नदी हो गए।

वर्ष, 09

पृष्ठ 12

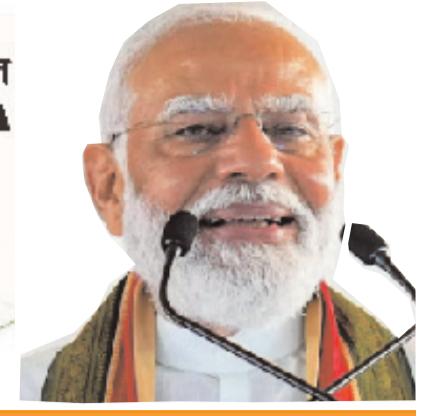
अंक 342

रांची, शनिवार, 15 जून 2024

मूल्य 3 रुपये

RNI No.- JAHIN/ 2014/59794 ujjwalduniyapress@gmail.com

खबरों की बुलंद आवाज



रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

हजारीबाग सरफा

सोना (बिक्री) ₹ 6,780.00 प्रति ग्राम

चांदी ₹ 95.00 प्रति ग्राम

पहले शोरूम के रूप में
स्थापित हजारीबाग शहर
का गोराअक्षय दुर्घाट
मॉर्टगेज
प्लॉन 10%

4 दशकों से निरंतर सेवा में

अनूठे विश्वास और आईने की सच्चाई के साथ
DIAMOND, GOLD, SILVER 100% शुद्धता के साथ

Certified | श्री अलंकर जूलर्स श्री अलंकर जूलर्स

A House of Traditional Trust

SRI ALANKAR JEWELLERS
MALVIYA MARG, HAZARIBAG, Mob. : 9934943065

सप्तगिरि आई.टी.आई.

भारत सरकार N.C.V.T नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

ट्रेड- मैकेनिकल डीजल, फिटर, इलेक्ट्रीशियन

• Wi-Fi Campus नामांकन प्राप्त सन्-2024-26

• CCTV Camera Hostel Facility Available

• Campus Selection

• Scholarship Facility

सिन्दूर, महेंढ़ी लॉनी, हजारीबाग

9470333159

9608881460



Email: saptagiri@hotmail.com

नीट विवाद- 'बच्चों के भविष्य के साथ खिलाफ़ नहीं होगा': धर्मेंद्र प्रधान



नई दिल्ली। नीट यूजी 2024 के परीक्षा परिणामों को लेकर जारी सिवायत के बीच एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बयान दिया है।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट के निदेशनुसार जो भी आश्वस्त करदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगे।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को लिखा, "एनईटी (नीट) मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत परीक्षार्थियों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। मैं परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इसे साथ ही उन्होंने दोषियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई करने की भी चाही थी।

दूसरी मामले से जुड़े तथ्य सर्वोच्च न्यायालय के सज्जन में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की उस वाचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें कथित नीट पेपर लीक से जुड़े दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित सभी मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी।

एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

बादल शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की उस वाचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें कथित नीट पेपर लीक से जुड़े दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित सभी मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी।

एनटीए ने उसे जारी किया, जिसमें कथित नीट पेपर लीक से जुड़े दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित सभी मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी।

जिसमें कथित नीट पेपर लीक से जुड़े तथ्य सर्वोच्च न्यायालय के सज्जन में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेंगी।

सरकार उसे पूरा करेंगी। एनईटी की कांस्यालिंग शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में

धर्मेंद्र प्रधान को धमेंद्र प्रधान कहने की भी चाही थी।

उन्होंने परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलाफ़ नहीं होगा। इस दिशा में हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निदेशनुसार जो भी आश्वशक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पू

संपादकीय



नीट पर बाजारवाद हावी होने के निहितार्थ

किसी देश या राज्य की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं जिनमें आवास और खोजन की पूर्ति करना भी प्रमुख नहीं होती, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी प्राथमिकताओं को पूरा करना भी अहम होता है। संक्षिप्त समाज को ये ऐसी आवश्यकताएँ हैं, जिनसे राज्य व देश का सुनहरा भविष्य छिपा होता है। व्यक्ति जितना पढ़ा-लिखा और हुएरमद होते के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति इमानदार होगा वह राज्य व देश उन्होंना ही ज्ञान तरकी करेगा। इसलिए समाज से उपर्योग की जाती है कि वो इन सेवाओं को निःशुल्क या कम से कम खर्च में नागरिकों को उपलब्ध रखए। इसके लिए पूँजीवादी सोच और बाजारवाद को तिलोजांल देने की आवश्यकता होती है। जब इस दोनों है, वर्तमान जहाँ पैरों परीक्षा की तिलोजांल देने की आवश्यकता होती है। जब इस दोनों है, वर्तमान सेवा वाली सेवा नवाचार हो जाती है और बाजारवाद फलने-फलने लगता है। यह सब इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि नीत मामले को लेकर जो खुलासे हुए हैं और जिस तरह से अदालत ने गेंस मार्स पाने वाले बच्चों को बोचारा इन्विटेन देने को कहा है, उससे एक बात तो तरह हो जाए कि सब कांस हो जाएंगे। घटने पर घटना तो ही हो रहा कि गर्दीवाल प्रतारा सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी 2024 में अधिकारी विज्ञापन के अधीन प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच पैनल का प्रमुख नियुक्त कर दिया। इस फैसले को भी खबर अलोचना हुई है। इस नियन्त्रण के बाद जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठना लाजमी था, सो वही हो रहा है।

वैसे देखा जाए तो नीट एग्जाम के नाम पर एक अनैतिक व्यवसाय ने जगह ले ली है। इसके पीछे खाली रुपयों के घपलां-घोड़ों का खेल भी चलता नहीं जा रहा है, जिसे लेकर समय-समय पर चार्चाएँ तो होती हैं, कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर देने की विधि में विवादों में नीहीं लिपि पाता है। इस विधियों में तमाम कंविष्टों द्वाके के तीन तात साक्षी होती हैं। इसमें योग्यता होने वाली अपना भविष्य बनाने के लिए उस व्यवसाय का हिस्सा बनाने की कोशिश करते हैं, जिसमें जाकर वो अपने आप को पूँजीवादी मकड़जाल में फंसा हुआ जाते हैं। इसमें से जो हिम्मत हार जाते हैं वो समय पूर्ण ही मौत को गले लगा दीवानी दासों छोड़ जाते हैं। इन बच्चों के माता-पिता के लिए सूचीबद्ध वो किस विधि में फिर जाते हैं तिल-तर करने को जीवन तो नहीं कहा जा सकता है। जिन पालकों के बच्चे नीत की तैयारी करते हैं, उनके दिलों में खूब जो कभी जीवे नीं भी सो पाते हैं? ऐसे पालक और अधिकारी किसे दोनों और किसे कोनों शब्द उड़ें खुद भी समझ नहीं होती। अब यही नियन्त्रण का खेल समझ सब सहते हैं और अंततः सामने आता है एक नीत योटाता जो अदालत तक जाकर भी अनसुलझा प्रतीत होती है।

दरअसल पिछले दिनों जिस तरह से नीट पेपर लीक होने के आरोप लगे और फिर रिजल्ट को लेकर सङ्केत करके घर प्रदर्शन से लेकर अदालत तक जो आवाजें उड़ी उसने इस गोरखधर्म से पर्दा उठाने का कार्य तो कर ही दिया है। गैर करें छात्र-छात्राएँ अपनी तीन मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाते हैं। इनकी पहली मांग होती है, काउंसिलिंग को रोका जाए। कोर्ट सुनवाई करते हुए कहता है, काउंसिलिंग को रोका तो नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

महान वैज्ञानिक हर्बर्ट साइमन

संजय गोविल्यामी

हर्बर्ट साइमन का जन्म 15 जून 1916 को मिल्बोर्न, विक्टोरिया में हुआ था। उन्होंने 1936 में बी.ए. और 1938 में पैण्डेडी की डिग्री प्राप्त की तथा उन्हें 1978 में नोबेल मेडलिंग लुपरस्कर दिया गया। उनके डिजाइन में किंग एवं प्रेसेक्स के अनुसंधान पर इसके अतिरिक्त भी कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। होते हैं। 1978 में, साइमन को विश्व संगठनों के भीतर नियन्त्रण लेने की प्रक्रिया में उनके अग्रणी शोध के लिए अर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साइमन ने कई विद्यार्थियों के लिए अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर अवस्थाएँ तो नहीं लिया गया। उनके अपने विद्यार्थियों के लिए एक विद्यार्थी विद्यार्थी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच करने वाली नीत लेने की विधि लिया गया। उनके अपने विद्यार्थियों के लिए एक विद्यार्थी विद्यार्थी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच करने वाली नीत लेने की विधि लिया गया। उनके अपने विद्यार्थियों के लिए एक विद्यार्थी विद्यार्थी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच करने वाली नीत लेने की विधि लिया गया।

कारणात्मक तर्क जैसे थे। इनका मुख्य लक्ष्य नियन्त्रण दिन में लोगों द्वारा प्रयोग किया गया विंतेन प्रक्रिया की प्रक्रिया और क्रियाविधि का विवेषण करना था। कहा उन्होंने 1947 में प्रशासनिक संगठन में नियन्त्रण लेने की प्रक्रिया में उनके अग्रणी शोध के लिए अर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साइमन ने कई विद्यार्थियों के लिए अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर अवस्थाएँ तो नहीं लिया गया। उनके अपने विद्यार्थियों के लिए एक विद्यार्थी विद्यार्थी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच करने वाली नीत लेने की विधि लिया गया। उनके अपने विद्यार्थियों के लिए एक विद्यार्थी विद्यार्थी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच करने वाली नीत लेने की विधि लिया गया।

कारणात्मक तर्क जैसे थे। इनका मुख्य लक्ष्य नियन्त्रण दिन में लोगों द्वारा प्रयोग किया गया विंतेन प्रक्रिया की प्रक्रिया और क्रियाविधि का विवेषण करना था। कहा उन्होंने 1947 में प्रशासनिक संगठन में नियन्त्रण लेने की प्रक्रिया में उनके अग्रणी शोध के लिए जैसे-एलन न्यूबैल, एडवर्ड फेनेलन, एंडर्स एरिसन, जेम्स मार्थ सामन में समय के लिए प्रसिद्ध राजनीतिक विज्ञान के थे। साइमन ने अंत में सामाजिक अनुसंधान में विश्वास किया था तथा सामाजिक दबाव का विवेषण किया था तथा सामन के विश्वास किया गया था। साइमन के अनुसार उसके अध्यक्ष के लिए एक विद्यार्थी विद्यार्थी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैसी को ही जांच करने वाली नीत लेने की विधि लिया गया।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रसार की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुवर्जन नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रसार की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुवर्जन नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रसार की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुवर्जन नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रसार की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुवर्जन नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रसार की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुवर्जन नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रसार की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुवर्जन नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ता हुए 6 जुलाई से काउंसिलिंग करने के आरोप देंदिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को बोचारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश देता है।

साइमन ने व

आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव का समापन किया गया।

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मधुबन (गिरिडीह) श्री दिग्मन्द जैन बीमांशु उपरेली कोडी मधुबन के प्राप्ति में चल रहे आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव का समापन शुक्रवार को हवन व तप-जप के परम पूज्य आचार्य विशुद्ध साराम महाराज श्री के आज्ञा धारक पूज्य मनि श्री 108 सुवेग साराम महाराज के सानिध्य में किया गया। संस्था के प्रबंधक बीएन चौधारी ने बताया की मुनिशी का 2024 का चातुर्मिस (वर्षा योग) शिखरजी बीमांशु कोडी में त्यागी निवास में है।

मुनि श्री के द्वारा वर्षाकाल चातुर्मिस करने की धोषणा करने हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया है। गिरिडीह जिले को सर्वाधिक रक्तदान करने में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उपायुक्त के प्रशस्ति अनन्द के साथ कोडी के अध्यक्ष महोदय अचार्य कुमार जैन, ट्रस्ट अधिकारी बंधु और प्रबंधक लोग एवं कायर करते बंधुओं ने मिलकर श्रीफल भैंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सर्वाधिक रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गिरिडीह : विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर झारखण्ड स्टेट एस्स कंट्रोल सोसाइटी की ओर गिरिडीह जिला को सर्वाधिक रक्तदान करने हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। गिरिडीह जिले को सर्वाधिक रक्तदान करने में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उपायुक्त के प्रशस्ति अनन्द के साथ कोडी के अध्यक्ष महोदय अचार्य कुमार जैन, ट्रस्ट अधिकारी बंधु और प्रबंधक लोग एवं कायर करते बंधुओं ने मिलकर श्रीफल भैंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।



अधिकारियों/कर्मियों/रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों और अन्य संबंधित कर्मियों का आभार व्यक्त किया है। उहाँने कहा कि यह गिरिडीह जिला प्रशासन रक्तदान को लेकर नियंत्रित बेहतर कार्य करता है। गिरिडीह जिले में रक्त की कमी न हो गया। उपायुक्त ने सम्मानित किया। सभी को उपायुक्त ने मिलकर श्रीफल भैंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ दी। इस दौरान उपायुक्त ने सदर अस्पताल, गिरिडीह में अवस्थित ब्लड कंपोनेट सेपरेशन यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उहाँने कोडी पर उपस्थित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उहाँने कहा कि यह गिरिडीह जिले में रक्त की कमी न हो गया। उपायुक्त ने सभी को उपायुक्त ने मिलकर श्रीफल भैंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

से उस व्यक्ति का जीवन बच पाता है। साथ ही सभी से रक्तदान करने की अपील की और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने को कहा। उहाँने कहा कि रक्तदान महादान है। इससे हम किसी का जीवन बचा सकते हैं। हर व्यक्ति व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए। सदर अस्पताल में कई लोगों ने रक्तदान किया। सभी को उपायुक्त ने सम्मानित किया और रक्तदान के महत्व को बताया।

इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि गिरिडीह जिले में खुन की कमी से किसी की मौत न हो, जिला प्रशासन इस दिशा में नियंत्रक कार्य कर रही है। सदर अस्पताल में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस ब्लड कंपोनेट सेपरेशन यूनिट से लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इसमें ब्लड के

विभिन्न कंपोनेट प्लाज्मा, प्लेटलेट, रेड ब्लड सेल, व्हार्ट ब्लड सेल को अलग कर रखा जा सकता। इससे रक्त संग्रही भी अधिक समय के लिए हो सकता। ऐसे में उपायुक्त ने जिलावासियों से जरूरतमंदों के काम आने के लिए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आने की भी अपील की। जिले में गर्भवती महिलाओं समेत दुर्घटना में जखमी होने वाले व थैलीसीमिया के मरीजों को जान बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है।

ब्लड कंपोनेट सेपरेशन यूनिट के माध्यम से आवश्यकता के अनुरूप व्यक्ति को उक्त कंपोनेट के अनुसार रक्त मूल्यकारण चाहिए। जारी करने के लिए गर्भवती महिलाओं से जिलावासियों के संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस ब्लड कंपोनेट सेपरेशन यूनिट से लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि जिला प्रशासन सभी विधायियों/संस्थाओं/इंडस्ट्रीज से समन्वय स्थापित कर पर्यावरण संखण की दिशा में कार्य कर रहा है। उहाँने कहा कि आदर्श आचार संविता के उपरांत पुनः मनरेगा के तहत भी बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत पौधारोपण का कार्य शुरू किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जरूरी है।

उहाँने कहा कि जिला प्रशासन सभी विधायियों/संस्थाओं/इंडस्ट्रीज से समन्वय स्थापित कर पर्यावरण संखण की दिशा में कार्य कर रहा है। उहाँने कहा कि आदर्श आचार संविता के उपरांत पुनः मनरेगा के तहत भी बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत पौधारोपण का कार्य शुरू किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण जरूरी है।

उहाँने कहा कि जिला प्रशासन सभी विधायियों/संस्थाओं/इंडस्ट्रीज से समन्वय स्थापित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि जिला प्रशासन सभी विधायियों/संस्थाओं/इंडस्ट्रीज से समन्वय स्थापित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करना हम सभी का दायित्व होना चाहिए। और इस अभियान में आगे बढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस दौरान उपायुक्त के लिए गर्भवती महिलाओं को संस्कारन उपरांत संरक्षित करने के लिए गर्भवती महिलाओं को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

उहाँने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से अनुरोध किया कि पर्यावरण के साथ एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण को लेकर जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर अधिकारिक संखण में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें सभी की सहभागी की आवश्यकता है।

